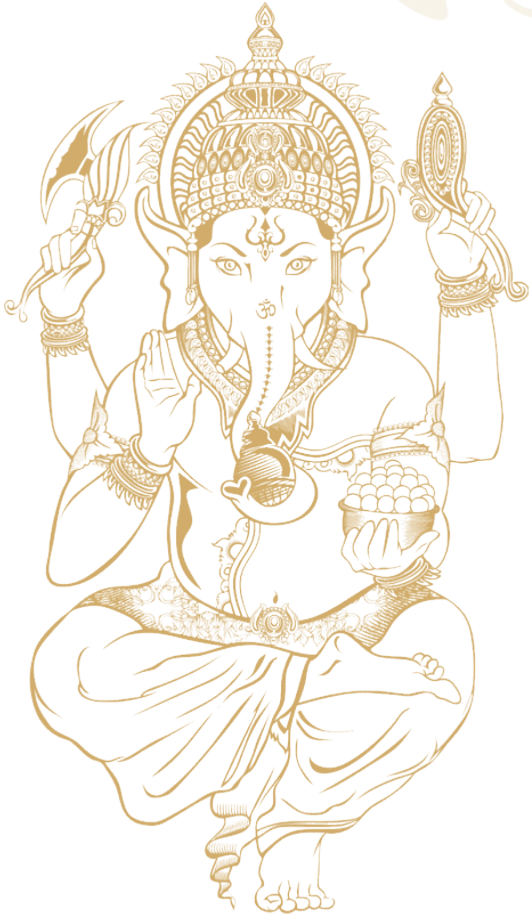

Ms. Payal Goshawmi

05 Feb 1998

10:00 AM

Kolkata

Model: web-freekundliweb

Order No: 121850204

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**05/02/1998**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**10:00:00 घंटे**
इष्ट	09:23:56 घटी
स्थान	**Kolkata**
राज्य	West Bengal
देश	India

अक्षांश	22:34:00 उत्तर
रेखांश	88:21:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:23:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	10:23:24 घंटे
वेलान्तर	-00:14:01 घंटे
साम्पातिक काल	19:23:55 घंटे
सूर्योदय	06:14:25 घंटे
सूर्यास्त	17:27:00 घंटे
दिनमान	11:12:35 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	22:20:05 मकर
लग्न के अंश	03:32:40 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मेष - मंगल
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**कृतिका - 4**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	ब्रह्म
करण	कौलव
गण	राक्षस
योनि	मेष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	गरुड़
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	ए-ऐश्वर्या
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	03:32:40	454:03:58	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	सूर्य	---
सूर्य			मक	22:20:05	01:00:50	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	शत्रु राशि
चंद्र			वृष	08:04:14	13:37:04	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	शुक्र	मूलत्रिकोण
मंगल			कुंभ	14:40:38	00:47:13	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	सम राशि
बुध		अ	मक	10:12:54	01:36:00	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	सम राशि
गुरु			कुंभ	06:20:42	00:14:14	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	चंद्र	सम राशि
शुक्र	व		धनु	24:38:53	00:01:43	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	सम राशि
शनि			मीन	21:57:00	00:05:01	रेवती	2	27	गुरु	बुध	सूर्य	सम राशि
राहु	व		सिंह	16:58:25	00:01:28	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	चंद्र	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	16:58:25	00:01:28	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			मक	15:18:15	00:03:30	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	---
नेप			मक	06:26:03	00:02:13	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	---
प्लूटो			वृश्चि	13:54:01	00:01:10	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	---
दशम भाव			धनु	25:32:54	--	पूर्वाषाढ़ा	--	20	गुरु	शुक्र	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:49:45

लग्न-चलित

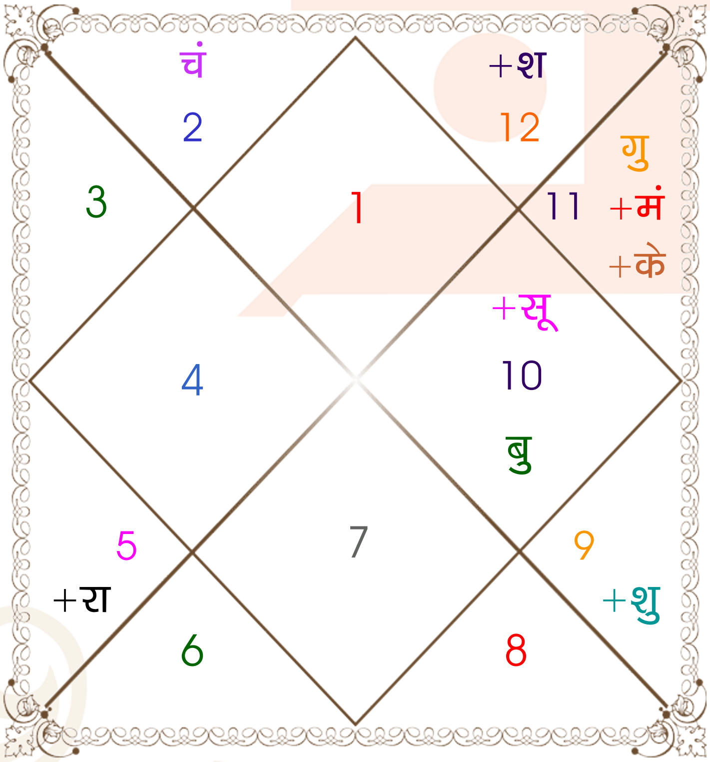

चन्द्र कुंडली

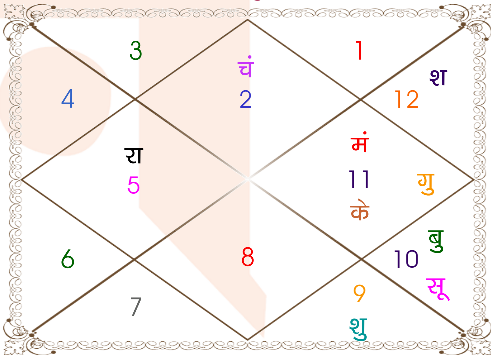

नवमांश कुंडली

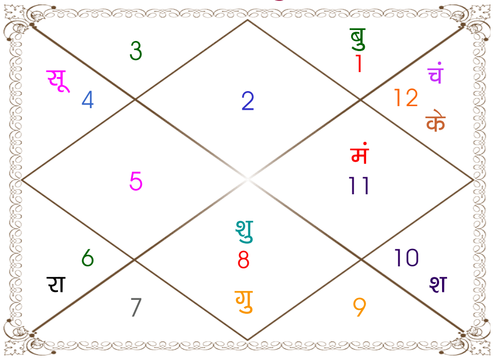

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 0 वर्ष 10 मास 12 दिन

सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष
05/02/1998	**19/12/1998**	**19/12/2008**	**19/12/2015**	**19/12/2033**
19/12/1998	**19/12/2008**	**19/12/2015**	**19/12/2033**	**19/12/2049**
00/00/0000	चंद्र 19/10/1999	मंगल 17/05/2009	राहु 31/08/2018	गुरु 06/02/2036
00/00/0000	मंगल 19/05/2000	राहु 04/06/2010	गुरु 24/01/2021	शनि 19/08/2038
00/00/0000	राहु 18/11/2001	गुरु 11/05/2011	शनि 01/12/2023	बुध 24/11/2040
00/00/0000	गुरु 20/03/2003	शनि 19/06/2012	बुध 19/06/2026	केतु 31/10/2041
00/00/0000	शनि 19/10/2004	बुध 16/06/2013	केतु 08/07/2027	शुक्र 01/07/2044
00/00/0000	बुध 20/03/2006	केतु 12/11/2013	शुक्र 08/07/2030	सूर्य 19/04/2045
00/00/0000	केतु 19/10/2006	शुक्र 12/01/2015	सूर्य 01/06/2031	चंद्र 19/08/2046
05/02/1998	शुक्र 19/06/2008	सूर्य 20/05/2015	चंद्र 30/11/2032	मंगल 26/07/2047
शुक्र 19/12/1998	सूर्य 19/12/2008	चंद्र 19/12/2015	मंगल 19/12/2033	राहु 19/12/2049

शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष
19/12/2049	**19/12/2068**	**19/12/2085**	**19/12/2092**	**20/12/2112**
19/12/2068	**19/12/2085**	**19/12/2092**	**20/12/2112**	**06/02/2118**
शनि 22/12/2052	बुध 17/05/2071	केतु 17/05/2086	शुक्र 19/04/2096	सूर्य 08/04/2113
बुध 01/09/2055	केतु 13/05/2072	शुक्र 17/07/2087	सूर्य 19/04/2097	चंद्र 08/10/2113
केतु 10/10/2056	शुक्र 14/03/2075	सूर्य 22/11/2087	चंद्र 19/12/2098	मंगल 13/02/2114
शुक्र 10/12/2059	सूर्य 19/01/2076	चंद्र 22/06/2088	मंगल 18/02/2100	राहु 07/01/2115
सूर्य 21/11/2060	चंद्र 19/06/2077	मंगल 18/11/2088	राहु 19/02/2103	गुरु 26/10/2115
चंद्र 22/06/2062	मंगल 16/06/2078	राहु 07/12/2089	गुरु 20/10/2105	शनि 07/10/2116
मंगल 01/08/2063	राहु 03/01/2081	गुरु 13/11/2090	शनि 20/12/2108	बुध 14/08/2117
राहु 07/06/2066	गुरु 11/04/2083	शनि 22/12/2091	बुध 20/10/2111	केतु 20/12/2117
गुरु 19/12/2068	शनि 19/12/2085	बुध 19/12/2092	केतु 20/12/2112	शुक्र 06/02/2118

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 0 वर्ष 10 मा 15 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

ज्योतिषीय गणना के अनुसार यह स्पष्ट होता है कि जिस समय आपका जन्म हुआ था। उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष लग्न का उदय काल एवं बृषभ नवांश तथा मेष राशि का द्रेष्काण का प्रवेश काल विद्यमान था। अश्विनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में आपके जन्म प्रभाव से यह संकेत प्राप्त होता है कि आप स्वतंत्रप्रिय, तेजस्वी उत्साही, समझौते में विश्वास रखने वाली, किसी के समक्ष नतमस्तक नही होने वाली और किसी भी प्रकार से हार नहीं मानने वाली लगनशील तथा जिद्दी प्रवृत्ति की प्राणी है।

वास्तविकता तो यह है कि आप तथाकथित रूप से हर क्षण नेतृत्व प्रदान करना पसंद करती हैं। इसके अतिरिक्त खेल कूद भी आपके लिए प्रिय है। आप अपने विचारों के समक्ष किसी अन्य व्यक्ति को विचार को स्वीकार नहीं करती हैं। आप व्यक्तिगत रूप से अपना न्यायपक्ष ही प्रस्तुत करती हैं। आप स्वाभाविक रूप से नेतृत्व प्रदान करने वाली हैं। तथा शीघ्रता पूर्वक किसी भी विषय को कार्यरूप दे देते हैं। आप सुगमता से अपने अधिकारी या सहायक के विचारों को नही मानती हैं। अर्थात् किसी अन्य की सत्ता स्वीकार नही करती।

आप अपनी अति महत्वकांक्षा के प्रति पूर्ण रूपेण अपनी शक्ति का दुरुपयोग करके आनंद प्राप्त करती तथा शीघ्रता पूर्वक अपनी सम्मति प्रस्तुत कर देती हैं। आप पूर्ण रूपेण आश्वस्त हो जाती है कि आपके विचार और कार्य कलाप अकाट्य है। आप सदैव सभी विषयों में अपनी प्रधानता एवं सशक्त रूप से प्रेरणा प्रदान करती हैं। संयोगवश यदि असफलता हाथ लगती है तो आप पश्चात्ताप का श्रेय दूसरो पर देती तथा पुनः अपनी पूरी शक्ति प्रदर्शन एवं अपने नियंत्रण से पुनः कार्यारंभ कर देती हैं।

आप सभी शंकाओं से रहित एक विश्वासी प्राणी हैं। आप व्यक्तिगत रूप से निष्कपट प्राणी है। यदि कोई व्यक्ति अनैतिक आचरण अथवा दाव पेंच से आपके साथ चालाकी या चतुरता से आप पर भारी दबाव डालना चाहता है तो आप उसके साथ विषमता पूर्ण रूख अपना कर निष्ठुर व्यवहार करने पर तत्पर हो जाती हैं। परंतु यदि कोई व्यक्ति इसके अतिरिक्त आपके विरुद्ध किसी को उकसाता है। या आप पर दबाव डालना चाहता है तो इस प्रकार के आचरण को उलझन पूर्ण व्यवहार समझकर सतर्क रहती हैं। कोई पिछली बातों को भुलाकर, विश्वास पूर्वक समझौता करना चाहता है तो आप ईमानदारी पूर्वक, क्रोध और निष्ठुरता को त्याग कर अंततोगत्वा आगे आकर अर्थात् मित्रता का हाथ बढ़ा कर एवं संकीर्णता से उपर उठ कर सफलता एवं विजय प्राप्त कर लेती हैं। आप अपने परिवार की समस्याओं पर ध्यान देती है तथा पूर्ण सतर्क रह कर अंत में सभी समस्याओं का समाधान करती हैं। आप अपने पारिवारिक समस्याओं को बिना समय नष्ट किए शीघ्रता पूर्वक अर्थात् मनोयोग पूर्वक बिना किसी उपेक्षित भावनाओं से संपादन कर लेती हैं।

आपके परिवार के सभी सदस्य एवं आप स्वयं अपनी माता से पूर्ण रूपेण संबद्ध रहा करते हैं। यद्यपि आपके पति आपको अपने प्रभाव में रखने का पूर्ण प्रयास करते है। ऐसा संभाव्य है कि आप अपने पति की विशेषताओं पर अमल करने लगे।

आप पूर्ण रूपेण स्वस्थ्य एवं शारीरिक शक्ति से मजबूत रहकर आनंद प्राप्त करेंगी। यह दृष्टिगोचर हो रहा है कि यदि आप पूर्ण सर्तकता से वाहन नही चलाए या वाहन चलाते समय कोई नादानी (बचपना) की तो यह संभव है कि आप किसी भी दुर्घटना की शिकार हो सकती हैं तथा आपके सिर में कोई चोट लग सकती है। अतः आपको पूर्ण सर्तकता से कोई भी वाहन चलाना चाहिए अन्यथा कोई (छोटी) साधारण दुर्घटना आपके संपूर्ण जीवन में कभी भी संभाव्य है अतः आपके लिए यह चेतावनी है कि आप अच्छी तरह नियमित रूप से सुरक्षित गति से वाहन चलाएं।

यदि आपने अपने दैनिकचर्या के अनुकूल आचरण नही किया तो यह संभव है कि आप मस्तिष्क रोग की अथवा पक्षाघात की शिकार हो सकती हैं। अतः आप समय-समय पर अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराती रहें, ऐसी ज्योतिषीय राय है। आप अपने उत्तम स्वास्थ्य के प्रति सुधार करती रहें। आपके स्वास्थ्य के लिए मांसाहार सर्वथा वर्जित है। सदैव ही शाकाहारी भोजन ग्रहण करें।

स्वास्थ्य की तुलना में धन क्या। यह तो कुछ भी नही है। स्वास्थ्य पर सदैव ध्यान देना अनुकूल है। यदि आप नीति पूर्ण ढंग से उचित खर्च करने में मनमानी करेंगी अथवा अपनी क्षमता से अधिक खर्च करेंगी तो आपके संचित धन पर कुप्रभाव पड़ेगा जिस कारण आपकी वार्षिक आय-व्यय का सिलसिला बिगड़ जाएगा। और आपकी कोई भी योजना प्रारंभ होने के समय आर्थिक तंगी के कारण प्रभावित हो जाएगी। यदि आप आनंद प्राप्त करने के लिए किसी बिंदु पर आसक्त हो जाएंगी तो आप शीघ्रता पूर्वक लाभ प्राप्त नही कर सकेंगी और आपकी योजना हानिप्रद प्रमाणित होगी। अर्थात् आपको काम-धंधे से नुकसान उठाना पड़ सकता है। अतः आप सुरक्षित ढंग से धन की बचत नियमित करें जो आपकी संवेदनशील परिस्थिति में सहायक हो सके।

यदि आप किसी भी, परिस्थिति या मौसम के प्रारंभिक काल अर्थात् कोई भी कार्य प्रारंभ करने के पहले निम्नलिखित निर्देशों का पालन करें तो यह आपके लिए लाभजनक सिद्ध होगा।

आप काले रंग के वस्त्रों एवं धातुओं का त्याग कर पीले, लाल एवं ताम्रवर्ण रंग को अपनाएं जो आपके लिए सर्वथा अनुकूल है।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके लिए अंक 9 और 1 अंक अनुकूल, अंक 4 एवं 8 अंक प्रभावक परंतु अंक 6 एवं 7 आपके लिए प्रतिकूल फलदायक अंक हैं।